

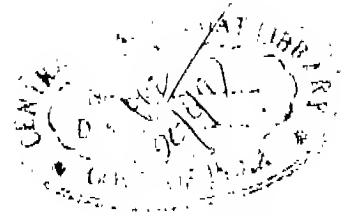


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड —1  
PART I—Section—1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 62 ]  
No. 62]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 1997/चैत्र 10, 1919  
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 1997/CHAITRA 10, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या 3 ( पी०एन० )/97—02

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1997

विषय:—निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 कार और आटोमोबाइल वाहनों के आयात से संबंधित नीति।

फा०सं० आई०पी०सी०/4/5( 650 )/92—97.—निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के पैरा 4.11 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा समय-समय पर यथासंशोधित सार्वजनिक सूचना संख्या 202 / ( पी०एन० )/92—97, तारीख 30 मार्च, 1994 का अतिक्रमण करते हुए विदेश व्यापार महानिदेशक एतद्द्वारा 1 अप्रैल, 1997 से कार और आटोमोबाइल वाहनों के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अधिसूचित करते हैं :—

यात्री कार और आटोमोबाइल वाहन निषेधात्मक सूची में शामिल हैं और उनका आयात लाइसेंस के मददे अथवा इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार ही अनुमत है अन्यथा नहीं /तथापि, कारों/आटोमोबाइल वाहनों का आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन नीचे विनिर्दिष्ट कुछ पात्र श्रेणियों द्वारा किया जा सकता है :—

2. नीचे विनिर्दिष्ट पात्र आयातकों की श्रेणियों द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन बिना लाइसेंस के यात्री कारों और आटोमोबाइल वाहनों का आयात किया जा सकता है :—

- (1) आयातकों की श्रेणी "झ" के मामलों को छोड़कर, वाहन के लिए भुगतान विदेश में किया जाए और ऐसे भुगतान में भारत से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विदेशी मुद्रा न भेजी जाए।
- (2) जब तक कि इस सार्वजनिक सूचना में किसी विशेष श्रेणी के आयातक के मामले में स्पष्ट रूप में छूट न दी गई हो, तब तक सीमाशुल्क का भुगतान विदेशी मुद्रा में किया जाए।
- (3) इस सार्वजनिक सूचना में पात्र आयातकों की प्रत्येक श्रेणी के सामने विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी हों, और
- (4) भारत में स्थायी निवास के लिए वापस आने वाले आयातकों के मामले में कार की निकासी के समय सीमाशुल्क विभाग को इस आशय की एक घोषणा दी जाए।

क. भारत में स्थायी निवास के लिए आने वाले भारतीय राष्ट्रिक या भारतीय मूल के विदेशी राष्ट्रिक

(क) इंजन साइज की एक यात्री कार का आयात जिसमें चार से अधिक सिलिन्डर न हों और जो 1600 सी.सी. से अधिक की न हो चाहे वह कार नई हो या पुरानी।

तथापि, यदि इंजन का आकार चार सिलिन्डर या 1600 सी.सी. से बढ़ जाता है तो आयातक के भारत लौटने से पूर्व वह कार एक से अधिक वर्षों तक आयातक के उपयोग में होनी चाहिए।

(ख) भारत में स्थायी रूप से बसने से पूर्व कम से कम 2 वर्ष तक लगातार आयातक विदेश में रहा हो।

(ग) भारत लौटने से पूर्व कार की कीमत विदेशों में चुकता की गई हो।

(घ) आयातक के स्थायी रूप से भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए आने से 6 माह के अन्दर-अन्दर कार भारत में आयात हो जानी चाहिए।

(ङ) यदि आयातक भारत से बाहर अपना आवास पुनः बदलता है। इस नीति के अन्तर्गत पिछला वाहन आयात करने की तारीख के कम से कम 5 वर्ष की अवधि के बाद ही अन्य कार आयात करने का हकदार होगा। सीमाशुल्क प्राधिकारी कार के विकास के समय आयातक के पासपोर्ट पर "कार सहित आवास का स्थानांतरण" पृष्ठांकित करेगा।

(च) भारत लौटने के बाद आयातक वाहन को रखने की अवधि की पाबन्दी बिना अपनी कार खुले बाजार में बेचने के लिए स्वतन्त्र है।

(छ) कार के बदले में दो पहिये वाला वाहन (मोटर साइकिल, स्कूटर आदि) के, चाहे नया हो या पुराना का आयात भी अनुमेय है बशर्ते उपर्युक्त शर्तें पूरी होती हों।

(ज) अन्य किसी प्रकार के आटोमोबाइल वाहन के आयात की अनुमति विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा गुणावगुण के आधार पर दी जाएगी।

ख. भारतीय नागरिकों से विवाहित विदेशी नागरिक (भारतीय मूल के व्यक्तियों सहित)

(क) चाहे कार नई हो अथवा पुरानी एक यात्री कार का आयात अनुमित है।

(ख) आयातक अर्थात् विदेशी नागरिक (भारतीय मूल के व्यक्ति सहित) भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए आ रहा है।

(ग) आयातक को कार शादी के एक साल के भीतर उसके माता पिता के द्वारा उपहार में दी गई हो।

(घ) पाबन्दी के बगैर आयातक भारत में अपनी वापसी के बाद खुले बाजार में कार को बेचने के लिए स्वतन्त्र है।

ग. भारत में कार्यरत विदेशी नागरिक

(क) रोजगार, नियुक्ति या भारत में आयातक के ठहरने के लिए संविदा अवधि एक वर्ष से कम नहीं होगी।

(ख) एक वाहन का आयात अनुमित है भारत में कार्यरत विदेशी नागरिक को भी अपने उपयोग में लाये गए वाहन का आयात करने की अनुमति है जो विदेश में उसके पास थी।

(ग) नीचे पैरा 3 में उल्लिखित शर्त के अनुसार पहले के वाहन को निपटाने के बाद वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि वाहन के लगातार दो क्रमिक आयातों के बीच न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि हो।

घ. भारत में स्थापित विदेशी फर्मों, कंपनियों और संस्थानों (व्यापारी या अन्यथा) की शाखाएं/कार्यालय

(क) भारत में स्थापित विदेशी फर्मों, कंपनियों और संस्थानों (व्यापारी या अन्यथा) की शाखाएं/कार्यालय तीन वाहनों तक आयात कर सकते हैं।

(ख) नीचे पैरा 3 में उल्लिखित शर्त के अनुसार पहले के वाहन को निपटाने के बाद वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि वाहन के लगातार दो क्रमिक आयातों के बीच न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि हो।

ङ. भारत में शामिल की गई कंपनियां जिनकी विदेशी इक्विटी भागीदारी अथवा एन आर आई इक्विटी भागीदारी भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन से अमेरिकन डालर 2,00,000 से कम न हो।

(क) भारतीय कम्पनी तीन वाहनों तक का आयात कर सकती है। भारतीय कम्पनी द्वारा प्रयुक्त कारों का भी आयात अनुमत है बशर्ते ये विदेशी इक्विटी कम्पनी/विदेश में एन.आर.आई. इक्विटी धारक के नाम में पंजीकृत हों तथा आयात से पूर्व उनके कब्जे में हों।

(ख) विदेशी कम्पनी/भारतीय कम्पनी में एन आर आई धारक इक्विटी द्वारा वाहन के साथ-साथ सीमाशुल्क का भुगतान विदेशी मुद्रा में किया जात है।

(ग) नीचे पैरा 3 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार पिछले के वाहन को बेचने के बाद अगले वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते वाहन के दो क्रमिक आयातों के बीच न्यूनतम पांच वर्षों की अवधि का अंतराल हो।

च. एक्रिडिटिड जर्नलिस्ट/विदेशी समाचार एजेंसियों के संपाददाता।

(क) आयात के पास प्रेस सूचना ब्यूरो, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार से एक्रिडिशन प्रमाण पत्र होना चाहिए।

(ख) एक वाहन का आयात अनुमत है।

(ग) नीचे पैरा 3 में उल्लिखित शर्त के अनुसार पिछले वाहन को बेचने के बाद अगले वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि वाहन के लगातार दो क्रमिक आयातों के बीच न्यूनतम पाँच वर्षों की अवधि का अंतराल हो।

छ. विदेशों में संविदाओं का निष्पादन कर रही भारतीय फर्म।

(क) वाहनों का आयात, परियोजना के वास्तविक रूप से पूर्ण होने पर/विदेशी कार्यालय के बन्द होने पर, संविदा के निष्पादन के लिए विदेशों में वाहनों के खरीदने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति दर्शाता हुआ भारतीय रिजर्व बैंक के मन्जूरी-पत्र की प्रस्तुति के अधीन किया जा सकता है।

(ख) फर्म/कम्पनी द्वारा वाहन का कम से कम एक वर्ष तक विदेश में प्रयोग किया गया हो।

(ग) ऊपर पैरा 3 में निर्धारित अनुसार बिक्री/निपटान संबंधी शर्त लागू होगी।

ज. धर्मार्थ तथा धर्म-प्रचारक संस्थाएं।

(क) इस शर्त के अधीन कि आयातक एक स्थापित संस्था है आरा समुदाय के आम हित कार्य कर रही है और विदेश अंशदान (विनियम) अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत आवश्यक अनुमति प्रस्तुत करने पर वाहनों जैसे उपयोगी गाड़ियाँ, एम्बुलेंस, स्टेशन बैगनों, जीपों, मिनी बसों (यात्री कारों के अतिरिक्त) की उपहार के रूप में आयात की अनुमति है।

(ख) सीमाशुल्क का भुगतान भारतीय रुपयों में किया जा सकता है।

(ग) ऊपर पैरा 3 में निर्धारित अनुसार बिक्री/ निपटान संबंधी शर्त लागू होगी।

झ. शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति :

(क) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई कारों के आयात की अनुमति, इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न उपाबंध-1 में निर्धारित प्रोफार्म पर स्टेट सिविल सर्जन या सरकारी अस्पताल में संक्षिप्त विंग के अध्यक्ष द्वारा यह प्रमाणित करता हुआ कि आयातकर्ता में निम्नलिखित में से कोई असक्षमता है और दुर्बलता का प्रतिशत गेवराइड स्केल के अनुसार कुल शरीर के 50 प्रतिशत से कम नहीं है, के प्रमाण पत्र के आधार पर दी जाएगी।

(1) घुटने से नीचे एक पार्श्विक अंग छिन्न होने को छोड़कर नीचे के अंग का एकपार्श्विक/द्विपार्श्विक अंग छिन्न।

(2) कोहनी के नीचे अथवा कोहनी के ऊपर बहुपार्श्विक अंग छिन्न होना।

(3) अभिघात/स्थायी पक्षाघात जिसका शल्य चिकित्सा अथवा औषधीय उपचार न किया जा सकता हो।

(4) किसी कारण शरीर के अंगों अथवा नीचे के अंगों में स्थायी पक्षाघात अथवा अधांगघात।

(5) सदमा गठिया या जन्मजात कारण के काफी विकृत अंग लेकिन ऊपर के अंगों में से कम से कम ऊपर का एक अंग सामान्य हो।

(ख) यदि कार एक उपहार है, मूल में, दाता द्वारा पुष्टि पत्र, जो कि आदात से दाता का संबंध दर्शाता हो।

(ग) प्रार्थी द्वारा स्वयं चलाई जाने वाली कार के आयात के लिए आवश्यकता और अनिवार्यता को स्पष्ट दर्शाने वाला सतोषजनक साक्ष्य।

(घ) 1600 सी सी इन्जन क्षमता तक केवल एक कार के आयात की अनुमति होगी।

(ङ) कार को बेचने की या निपटान करने की, या किसी और को सौंपने की, या गिरवी रखने की या बन्धक करने की या दृष्टिबंधक करने की किसी भी समय पर अनुमति नहीं होगी। फिर भी विशेष परिस्थितियों में और वैध कारणों से निर्धारित की गई शर्तों के अनुसार महानिदेशक, विदेश व्यापार, नई दिल्ली, अनुरोध पर, इस शर्त से छूट दे सकते हैं।

(च) आयातकर्ता को, लाइसेंस प्राधिकारी जिसके साथ "बिक्री न करने का बंधपत्र" निष्पादित किया है, आयात की तारीख से 6 महीने के भीतर अपना ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत करना होगा।

(छ) वाहन का भुगतान और सीमाशुल्क भारतीय रुपयों में दिया जाएगा।

अ. विदेशी सरकार के अवैतनिक वाणिज्य दूत :

(क) विदेश मंत्रालय की सिफारिश पर एक यात्री कार के आयात की अनुमति है। बशर्ते कि कार की कीमत, बीमा तथा माल भाड़ा सहित, विदेशी सरकार वहन करे तथा आयात के समय सीमाशुल्क प्रार्थी के द्वारा भारतीय रुपयों में दिया गया हो।

- (ख) इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित ग, घ, ङ और च श्रेणियों में किसी एक द्वारा शामिल योग्य आयातकर्ता अथवा भारतीय राज्य व्यापार निगम को पहले वाहन की बिक्री या पहली कार का आयात करने की तारीख से पुनः निर्यात की शर्त के अधीन पांच वर्ष की अवधि के बाद दूसरी कार के आयात की अनुमति दी जाएगी।
3. वर्ग ग, घ, ङ, च, छ और ज आयातकों के संबंध में कोई बिक्री शर्त नहीं है।
- वर्ग ग, घ, ङ, च, छ और ज आयातकों के संबंध में वाहन की तारीख से पांच वर्ष की कोई बिक्री अवधि नहीं होगी। यदि आयातक पांच वर्ष की गैर-बिक्री अवधि के भीतर वाहन को बेचना चाहता है तो वह वाहन के पुनः निर्यात या भारतीय राज्य व्यापार निगम को बिक्री या इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित वर्ग ग, घ, ङ और च में शामिल किसी एक पात्र आयातक को बिक्री की शर्त के अधीन होगा। पांच वर्ष की गैर बिक्री अवधि के समाप्त होने पर वाहन की बिक्री/हस्तांतरण/निपट्टा के लिए डी जी एफ टी से किसी अनुमति की जरूरत नहीं है।
4. देश में वाहन का आयात होने पर, आयातकर्ता के नाम में इसका पंजीकरण होना चाहिए। आयात पर लागू शर्तों को पूरा करने के लिए आयातकर्ता, क तथा ख श्रेणियों को छोड़कर, इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न उपाबन्ध 2 में निर्धारित फार्म में, विदेश व्यापार महानिदेशक के क्षेत्रीय लाइसेंसिंग कार्यालय पर भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में, वाहन के सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित लागत बीमा भाड़ा मूल्य के बराबर राशि के लिए बन्धपत्र निष्पादन करेंगे। बन्धपत्र 5 साल की अवधि के लिए वैध होगा और इसके साथ बैंक गारन्टी देने की आवश्यकता नहीं है।
5. निवासी भारतीय लाइसेंस/सी सी पी के बिना यात्री कारों और आटोमोबाइल वाहन का आयात कर सकते हैं बशर्ते वह वाहन इन्हें अन्तर-राष्ट्रीय घटना/मैच/प्रतियोगिता में पुरस्कार के रूप में दिया गया हो, इसमें कोई विदेशी मुद्रा का भुगतान अन्तर्ग्रस्त नहीं होनी चाहिए तथा सीमाशुल्क प्राधिकार की संतुष्टि के दस्तावेजी सबूत भी प्रस्तुत किया गया हो। तथापि देय सीमाशुल्क का भुगतान भारतीय रुपयों में किया जाएगा।
6. सीमाशुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए दस्तावेजी सबूत देने पर विदेशों में मूल संबंधियों की यात्री कारों और आटोमोबाइल वाहनों का इनके कानूनी धारि/उत्तराधिकारी बिना लाइसेंस/सी सी पी के आयात कर सकते हैं बशर्ते इसमें कोई विदेशी मुद्रा का भुगतान शामिल न हो। तथापि, देय सीमाशुल्क का भुगतान भारतीय रुपयों में किया जाएगा।
7. यदि आयातकर्ता केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार या भारतीय दूतावासों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तैनाती/विदेश उच्च आयुक्तों अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विदेश कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारी हैं, तो वे सीमाशुल्क का भुगतान रुपयों में करेंगे। उनके मामले में, वाहन के विक्रय की अनुमति आयात की तारीख से दो साल की अवधि के लिए नहीं होगी। फिर भी, यदि वे सीमाशुल्क का भुगतान विनिमय विदेशी मुद्रा में करते हैं तो विदेशी वाहन के विक्रय पर कोई पाबंदी नहीं होगी।
8. इस सार्वजनिक सूचना के प्रावधानों पर विदेशी व्यापार महानिदेशक द्वारा गुणागुण के आधार पर छूट दी जा सकती है।

एस. बी. महापात्र, महानिदेशक, विदेश व्यापार

#### अनुलग्नक—1

स्टेट सिविल सर्जन अथवा सरकारी अस्पताल में संबद्ध विंग के प्रमुख द्वारा विकलांगता की प्रकृति और सीमा के बारे में जारी किए जाने वाले चिकित्सा प्रमाण पत्र का प्रपत्र।

1. आवेदक का नाम
  2. राष्ट्रीयता
  3. जन्म की तारीख
  4. व्यवसाय/पेशे की सही प्रकृति
  5. पूरा आवासीय पता
  6. शारीरिक स्थिति
- मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर्ता प्राधिकारी द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित विकलांगता दर्शाते हुए आयातक का फोटोग्राफ

नेत्र परीक्षण  
(1) (क) दृष्टि-----दाईं आंख  
-----बाईं आंख

(ख) वाहन चलाने में आवेदक को अनुपयुक्त बनाने वाली वर्ण अंधता, यदि कोई हो, निर्दिष्ट करें।

(2) मानसिक स्थिति

(क) सामान्य

(ख) उप सामान्य

(ग) कोई मानसिक बीमारी

(3) श्रवण

(क) दाएं कान की श्रवण क्षमता

(ख) बाएं कान की श्रवण क्षमता

## (4) विकलांगता की प्रकृति

(क) उल्लेख करें कि आवेदक निम्नलिखित विकलांगताओं में से किसका शिकार है :—

1. घुटने से नीचे एक पाश्र्विक अंग छिन्न होने को छोड़कर निचले एक/दोनों अंगों का कटा होना :
2. कुहनी से नीचे अथवा ऊपर से एक अंग छिन्न होना :
3. अभिघातज/स्थायी लकवा जिसका शल्य चिकित्सा अथवा औषधीय उपचार नहीं किया जा सकता।
4. किसी कारण अथवा पक्षाघात द्वारा ऊपरी अंगों में से एक अथवा दोनों निचले अंगों का स्थायी लकवा और

5. सद्मा, गठिया अथवा जन्मजात कारण से घोर विकृत अंग लेकिन ऊपर के अंगों में से कम से कम एक अंग का सामान्य होना।

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त 6(4) (क) (1 से 5) में से विकलांगता निर्दिष्ट करें तथा मेवरिड पैमाने के अनुसार क्षति की प्रतिशतता।

7. कार के आयात हेतु डाक्टर द्वारा सिफारिश किए गए अभिग्रहण/विकलांगता युक्तियों का प्रकार।

स्थान :

डाक्टर के हस्ताक्षर

तारीख :

ओ सिविल सर्जन के रैंक से कम न हो, अस्पताल की मुहर सहित।

## परिशिष्ट—II

वैयक्तिक सामान के रूप में कार के आयातकों आदि भरा जानेवाला बंध-पत्र के नमूने का प्रपत्र।

इस प्रकार सबको ज्ञात हो कि हम (1) ..... का ..... (जिसे इसमें आगे आयातकर्ता कहा गया है जिसके अंतर्गत जहां संदर्भ से वैसा स्वीकार्य हो उसके/उनके संबंधित उत्तराधिकारी समनुदेशी, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि/उत्तराधिकारी और स्वीकृत अधिन्यासी) तथा (2) ..... का ..... (जिसे आगे "प्रतिभू" कहा गया है जिसके अंतर्गत जहां संदर्भ से वैसा स्वीकार्य हो, उसके/उनके संबंधित उत्तराधिकारी और समनुदेशी, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि उत्तराधिकारी और स्वीकृत अधिन्यासी शामिल होंगे, वचनबद्ध है तथा भारत के राष्ट्रपति के प्रति संयुक्त एवं पृथक्: दृढ़तापूर्वक आबद्ध है कि भारत के राष्ट्रपति का संयुक्त उप-महानिदेशक विदेश व्यापार ..... के माध्यम से ..... के लिए इस समय मांग किए जाने पर ..... रुपए की रकम बिना विलंब शुल्क के अदा की जाए जिसके लिए वास्तविक रूप में भुगतान किया जाएगा, हम उनके द्वारा स्वयं को दृढ़तापूर्वक (आबद्ध करते हैं) तारीख ..... माह ..... 19 .....

जबकि संयुक्त/उप महानिदेशक विदेश व्यापार, भारत सरकार। (जिसे इसमें आगे संयुक्त/उप-महानिदेशक, विदेश व्यापार कहा गया है जिस अभिव्यक्ति में उस समय संयुक्त/उप-महानिदेशक विदेश व्यापार ..... के कर्तव्यों का निर्वहन करने वाला व्यक्ति शामिल होगा) ने ..... आयातक द्वारा भारत में आयातित यहां नीचे लिखी अनुसूची में पूर्णतया वर्णित ..... के निकासी की अनुमति दे दी है। अब ऊपर लिखित बंध-पत्र की शर्त इस प्रकार हैं :—

1. यदि उक्त आयातक ने इस देश को छोड़ने के समय कार का पुनः निर्यात करता है अथवा छह महीने से अधिक अवधि के लिए विदेश जाने के समय कार को भारत में छोड़ने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय संगठन की पूर्वानुमति ले ली थी।

तथा

2. यदि उक्त आयातक उक्त कार के तथा स्वामित्व को न बेचेगा, गिरवी रखेगा रेहन रखेगा/बंधक रखेगा अथवा पृथक् करेगा अथवा अन्यथा उसे बेच देगा तो ऊपर लिखित बंध-पत्र शुन्य और निष्प्रभावी हो जाएगा अन्यथा यह बंध-पत्र पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी रहेगा और पक्षों के बीच निम्न प्रकार से एतद्वारा पूर्ण सहमति व घोषणा की जाती है :—

- (क) कि उक्त लिखित बंध-पत्र उक्त ..... के आयात की तारीख से ..... वर्ष की अवधि के लिए पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी रहेगा तथा उसे ऐसी अवधि के लिए नवीकृत समझा जाएगा तथा जिसे संयुक्त/उप महानिदेशक, विदेश व्यापार उक्त अवधि की समाप्ति के पहले बढ़ाना चाहें।

- (ख) बंध-पत्र भारत सरकार की ओर से आयातक (चाहे प्रतिभू की सहमति अथवा जानकारी हो या न हो) के विरुद्ध बंध-पत्र को प्रवर्तित करने के लिए किया गया कोई परिहार्य कार्य या चूक किसी भी स्थिति में उक्त लिखित के बंधपत्र के अंतर्गत उक्त प्रतिभू को उसके दायित्व से निर्मुक्त नहीं करेगा।

- (ग) यह बंध-पत्र केन्द्रीय सरकार के आदेश से ऐसा कार्य करने के लिए निष्पादित किया गया है जिसमें जनता का हित हो।

823 A/197-2



- (घ) जब भी महानिदेशक विदेश व्यापार या किसी लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा मांग की जाए यह साक्ष्य आयातक प्रस्तुत आयातक करेगा कि कार उसके कब्जे और स्वामित्व में है; और
- (ङ) छोटे दौरे पर जाने को छोड़कर विदेश जाते समय आयातक कार को भारत में नहीं छोड़ेगा, जिसके लिए लाइसेंसिंग प्राधिकारियों में निकट रिश्तेदार के पास कार छोड़ने की मंजूरी लेनी होगी।
- (च) इस बंध-पत्र की शर्तों का उल्लंघन करने पर आयातक को बंध-पत्र की रकम का भुगतान करने के अतिरिक्त विदेश व्यापार (विकास और विनियम अधिनियम, 1992 तथा उसके तहत जारी किए गए नियमों के अंतर्गत दिए गए प्रावधान के अनुसार उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है)।

बिकासी के लिए माल की अनुसूची.....

19 ..... दिन को पक्षों की सम्पत्ति के साक्षी के रूप में ..... की उपस्थिति में उक्त आयातक द्वारा हस्ताक्षरित ..... की उपस्थिति में उक्त नामित साक्षी द्वारा हस्ताक्षरित भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा के लिए ..... द्वारा स्वीकृत।

### MINISTRY OF COMMERCE

#### Public Notice No. 3 (PN) / 97-02

New Delhi, the 31st March, 1997

**Subject:** Export and Import Policy for April, 1997—March, 2002—Policy for import of car and automobile vehicles.

**File No. IPC/4/5 (650)/92-97:**— In exercise of the powers conferred under paragraph 4.11 of the Export and Import Policy, 1997-2002 and in supersession of Public Notice No. 202/(PN)/92-97 dated the 30-3-1994 and as amended from time to time, Director General of Foreign Trade hereby notifies the procedure for the import of car and automobile vehicles, effective from 1-4-1997, as under:—

Passenger cars and automobile vehicles are in the restricted category and their import is not permitted except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf. However, cars/automobile vehicles can be imported by certain eligible categories specified below subject to the following conditions:—

2. Import of passenger cars and automobile vehicles may be made without a licence by the categories of eligible importers specified below subject to the following condition:—

- (i) the payment for the vehicle is made abroad and such payment does not involve, directly or indirectly, any remittance of foreign exchange from India except in the case of Category 'T' Importers;
- (ii) the payment of the customs duty is made in foreign exchange, unless expressly exempted in the case of any particular category of importer in this Public Notice.
- (iii) the conditions specified against each category of eligible importers in this Public Notice are fulfilled; and
- (iv) in the case of those importers returning to India for permanent settlement, a declaration to that effect is given to the Customs at the time of the clearance of the car.

#### A. India nationals or foreign nationals of Indian origin coming to India for permanent settlement:

- (a) Import of one passenger car with engine size not exceeding four cylinders and not exceeding 1600 c.c is permitted, whether the car is new or old.

However, if engine size exceeds four cylinders or 1600 c.c, the car should have been in the use of the importer for more than a year prior to his return to India.

- (b) The importer has stayed abroad continuously for a period of at least two years prior to his coming to India for permanent settlement.

- (c) The payment for the car is made abroad before his return to India.
  - (d) The car should be imported into India within six months of the arrival of the importer in India for permanent settlement.
  - (e) If the importer transfers his residence out of India again, he will be entitled to import another car under this policy only after a minimum period of five years from the date of importation of the previous vehicle. Customs authorities shall endorse on the passport of the importer "Transfer of residence with car" at the time of clearance of the car.
  - (f) The importer is free to sell the car in the open market after his return to India without any restriction as regards the period of retention of the vehicle.
  - (g) Import of one two wheeler (motor-cycle, Scooter etc.) in place of car is also permitted whether the same is new or old subject to fulfilment of the above conditions.
  - (h) Import of any other type of automobile vehicle may be permitted by the Director General of Foreign Trade on merits.
- B. Foreign Nationals (including persons of Indian origin) Married to Indian Nationals.**
- (a) Import of one passenger car is permitted, whether the car is new or old.
  - (b) The importer, namely the foreign national (including person of Indian origin), is coming to India for permanent settlement.
  - (c) The car has been gifted to the importer by the parents within one year of the marriage.
  - (d) The importer is free to sell the car in the open market after his or her return to India without any restriction.
- C. Foreign nationals working in India**
- (a) The contract period for the employment, assignment or stay of the importer in India shall not be less than one year.
  - (b) Import of one Vehicle is permitted. Foreign national working in India shall also be permitted to import his own used vehicle which was in his possession abroad.
  - (c) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the conditions mentioned in para 3 below, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.
- D. Branches/offices of foreign firms, companies and institutions (Corporate or otherwise) established in India.**
- (a) Branches/offices of foreign firms, companies and institutions (corporate or otherwise) established in India may import up to three vehicles.
  - (b) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the conditions mentioned in para 3 below, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.
- E. Companies incorporated in India having either foreign equity participation or NRI equity participation in them backed up by RBI's approval amounting to not less than US \$ 2,00,000**
- (a) The Indian company may import upto three vehicles. Import of used cars is also permitted by the Indian Company provided these were registered in the name of the foreign equity holding company/NRI equity holder abroad and in their possession prior to import.
  - (b) The payment for the vehicle as well as the payment of the customs duty in foreign exchange are made by the foreign company/NRI holding equity in the Indian company.
  - (c) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the conditions mentioned in para 3 below, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.

**F. Accredited journalists/correspondents of foreign news agencies.**

- (a) The importer should have the Accreditation certificate from the Press Information Bureau, Ministry of Information & Broadcasting, Government of India.
- (b) Import of one vehicle is permitted.
- (c) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the conditions mentioned in para 3 below, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.

**G. Indian firms executing contracts abroad.**

- (a) Import of vehicles may be made after substantial completion of the project/winding up of the foreign office, subject to the production of a letter of approval from the Reserve Bank of India showing the permission of the Reserve Bank of India for the purchase of the vehicles abroad for the execution of the contract.
- (b) The vehicle should have been in the use of the firm/company abroad for atleast one year.
- (c) The condition regarding no sale/disposal as stipulated in para 3 below shall be applicable.

**H. Charitable and Missionary Institutions.**

- (a) Import of vehicles such as utility vans, ambulances, station wagons, jeeps, minibuses (excluding passenger cars) is permitted as gift subject to the condition that the importer is an established institution and is functioning for the common benefit of the community, and subject further to production of necessary clearance under the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976.
- (b) Payment of customs duty may be made in Indian Rupees.
- (c) The condition regarding no sale/disposal as stipulated in para 3 below shall be applicable.

**I. Physically handicapped persons.**

- (a) Import of cars specially designed for the physically handicapped may be permitted on the basis of a certificate in the proforma as prescribed in Annexure - I appended to this Public Notice, from the State Civil Surgeon or Head of the concerned wing in the Government Hospital, certifying that the importer has any of the following disabilities and the percentage of impairment is not less than 50% of the total body as per Mebride Scale:
  - (i) Unilateral/bilateral amputees of the lower limbs excluding below knee unilateral amputees.
  - (ii) Unilateral below elbow or above elbow amputees.
  - (iii) Traumatic/permanent paralysis which cannot be surgically or medically treated.
  - (iv) Permanent paralysis of one upper limb or both lower limbs due to any reason or hemiparesis.
  - (v) Grossly deformed limbs due to trauma arthritis or congenital but having atleast one upper limb normal.
- (b) If the car is a gift, confirmatory letter from donor, in original, which should also indicate the donor's relationship with the donee.
- (c) Satisfactory evidence clearly justifying the need and essentiality for import of a self-driven car by the applicant.
- (d) Import of only one car upto 1600 cc engine capacity will be allowed.
- (e) Car shall not be allowed to be sold or otherwise disposed of or possession parted with, or pledged, mortgaged or hypothecated, at any time. However, in special circumstances, and for valid reasons, and subject to such conditions as may be laid down, the Director General of Foreign Trade, New Delhi, may on request, relax this condition.
- (f) The importer shall produce his driving licence within 6 months from the date of import, to the authority with whom 'No Sale Bond' is executed.
- (g) Payment for the vehicle may be remitted from India in Indian Rupees and the Customs duty may be paid in Indian Rupees.



**J. Honorary Consuls of Foreign Government:**

- (a) Import of one passenger car is permitted on the recommendation of the Ministry of External Affairs provided the cost of the car, including freight and insurance, is borne by the foreign Government and the customs duty is paid by the applicant in Indian Rupees at the time of import.
- (b) Import of a second car will be permitted after a period of five years from the date of importation of the first car subject to the condition of re-export of the previous vehicle or its sale to the State Trading Corporation of India or an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this public Notice.

**3. No sale condition in respect of Category C, D, E, F, G and H importers:**

There shall be a no sale period of five years from the date of clearance of vehicle in respect of Categories C, D, E, F, G and H Importers. In case, the importer wants to dispose of the vehicle within no sale period of five years, it will be subject to the condition of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the Categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice. No permission shall be required for the sale/transfer/disposal of the vehicle from the DGFT after the no sale period of five years.

4. On the import of the vehicle into the country, it should be registered in the name of the importer. The importer, except those covered by categories A and B, shall execute a bond in the form as prescribed in Annexure - II appended to this Public Notice, for an amount equal to Customs assessed c.i.f. value of the vehicle in favour of the President of India (at the regional licensing office concerned of the Director General of Foreign Trade), undertaking to fulfil the conditions applicable to import. The bond shall be valid for a period of five years and it may not be supported by a bank Guarantee.

5. Resident Indians may import passenger cars and automobile vehicle without a licence/CCP provided the vehicle has been presented to them as an award in any international event/match/competition, on the submission of the documentary evidence to the satisfaction of the Customs authorities provided no remittance of foreign exchange is involved. Customs duty as leviable may, however, be paid in Indian Rupees.

6. The legal heirs/successors may import passenger cars and automobile vehicles belonging to their deceased relatives in foreign countries without a licence/CCP on submission of documentary evidence to the satisfaction of the Customs authorities provided no remittance of foreign exchange is involved. Customs duty as leviable may, however, be paid in Indian Rupees.

7. If the Importers are employees of the Central Government, State Government or Public Sector Undertakings posted in Indian Embassies/High Commissions abroad or in foreign offices of Public Sector Undertakings, they may make the payment of the Customs duty in Indian Rupees. In their case, the sale of the vehicle will not be permitted for a period of two years from the date of importation. However, if they make the payment of Customs Duty in convertible foreign exchange, there will be no restriction on the sale of the imported vehicle.

8. The provisions of this Public Notice may be relaxed on merits by the Director General of Foreign Trade.

S. B. MOHAPATRA, Director General of Foreign Trade.

**Annexure—I**

Proforma of medical certificate to be issued by State Civil Surgeon or  
Head of concerned Wing in a Government Hospital  
dealing with nature and extent of disability.

1. Name of the applicant

2. Nationality

3. Date of Birth

4. Exact nature of business/profession

5. Full residential address

Photograph of the importer showing the disability, duly  
attested by the medical certificate issuing authority.

823 41/92-3

**Physical condition****(i) Eye Examination**

(a) Vision.....Right eye, Left eye.

(b) To specify if any colour blindness which makes him unsuitable for driving.

**(ii) Mental condition**

(a) Normal

(b) Sub-normal

(c) Any mental illness

**(iii) Hearing**

(a) hearing in the right left ear

(b) hearing in the left ear

**(iv) Nature of disability**

(a) State whether the applicant is suffering from any of the disabilities mentioned below :—

1. Unilateral/bilateral amputees of the lower limbs excluding below knee unilateral amputees ;
2. Unilateral below elbow or above elbow amputees;
3. Traumatic/permanent paralysis which cannot be surgically or medically treated;
4. Permanent paralysis of one upper limbs or both lower limbs due to any reason or hemiparesis; and
5. Grossly deformed limbs due to trauma, arthritis or congenital but having at least one upper limbs normal.

b. If so, specify the disability out of 6(iv) (a) (1 to 5) above &amp; percentage of impairment as per Mebride Scale.

7. Type of adoption/disability gadgets recommended by the Doctor for import of car.

Signature of the doctor not below the rank of

Civil Surgeon alongwith Seal of the Hospital.

Place :

Date :

**Annexure-II**

Specimen Bond form to be Executed by Importers of Cars etc.

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS that We (1).....of.....(hereinafter called the importer which expression shall where the context so admits include his/their respective heirs, executors, administrators and legal representatives/successors and permitted assignees) and (2).....of.....(hereinafter called 'the surety' which expression shall where the context so admits include his/their respective heirs, executors, administrators and legal representatives/successors and permitted assignees are held and firmly bound jointly and severally unto the President of India to pay to be President of India through the Joint/Deputy Director General of Foreign Trade.....for the time being on demand and without demur the sum of Rs.....for which payment will and truly to be made, we bind ourselves firmly by these presents.

Dated this the.....day of.....19..

Whereas the Joint/Deputy Director General of Foreign Trade, Government of India.

(herein referred to as the said Joint/Dy. Director General of Foreign Trade which expression shall include the person for the time being performing the duties of the Joint/Dy. Director General of Foreign Trade.....) has permitted clearance of.....more fully described in the Schedule hereunder written, imported in India by the Importer. Now the conditions of the above written bond or such that :—

1. If the said importer re-exports the car at the time of his leaving from this country or had taken prior permission of Director General of Foreign Trade organisation for leaving the car in India while proceeding abroad for a period exceeding six months and;
2. If the said importer shall not sell, pledge, mortgage, hypothecate or part with the possession of the said car or otherwise dispose of the car, then the above written bond shall be void and of no effect otherwise the same shall be and remain in full force and virtue. And it is hereby fully agreed and declared between the parties as follows :—
  - (a) That the above written bond shall remain in full force and effect for the period of.....years from the date of importation of the said.....and shall be deemed to be renewed for such further period as the Joint/Dy. Director General of Foreign Trade may require any time before the expiry of the said period ;
  - (b) Any forbearance, act or omission on the part of the President of India to enforce the bond against the importer (whether with or without the knowledge or consent of the surety) shall not in any way release the said surety from his liability under the above written bond;
  - (c) That this bond is entered into under the order of the Central Government for the performance of an act in which the Public are interested;
  - (d) The importer shall produce evidence that the car is in his/her possession and ownership whenever demanded by the Director General of Foreign Trade or any licensing authority; and
  - (e) The importer shall not leave the car in India while going abroad except on short visits for which permission from the licensing authorities shall be obtained for leaving the car with the close relation;
  - (f) Any breach of terms and conditions of this bond will render the importer liable to penalties as provided under the foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 and the Rules issued thereunder, over and above his liability for payment of the amount of the bond.

#### Schedule of Goods for Clearance

AS WITNESS THE hands of the parties the.....the day of.....19.....signed by the above named importer in the presence of..... Accepted by ..... for and on behalf of the President of India.

